SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: All that the hon. Minister has said, is in the discharge .of his obligations as a Minister, he will have a departmental enquiry done. So far as the House is concerned, it is supreme. The Hon. Minister has only said and that was only his commitment that in view of all that has happened and since there are certain doubts, his Ministry will conduct an enquiry into the circumstances under which the N.R.Is. were appointed. ... *(Interruptions)...* Yes... *(Interruptions)* ...No, no. ..*(Interruptions).* ..The matter can be raised in the House at appropriate time... *(interruptions)..:*

MR. CHAIRMAN: Please sit down. Why are you getting angry?

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, I wanted to ask a specific point. ...*(Interruptions)...I* wanted to ask a specific clarification. Sir, the entire issue has arisen out of the Question, which is the property of the House. Secondly, he has quoted profusely. He has not just made up the answer. He has quoted profusely from the notings on a file. And he has agreed for an inquiry because of the questions raised in the House. So, in the fitness of things you have to decide whether the enquiry should be conducted by a committee constituted by this House or by a committee constituted by the Ministry, in being fair to the difference of perceptions that are there, to which he himself has again agreed. This is up to you, Sir. ...*(Interruptions)...*

SHRI ANANTH KUMAR: Sir, I have not quoted. I have referred. ...*(Interruptions).* ..Sir, I have not quoted profusely because the relevant files are not here... *(Interruptions)...* Therefore ,1 want to stand c*larified....(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: The question basically is, he says that he has not quoted profusely. I think, the way he referred to certain notings of the Cabinet Secretariat means that he was saying something, which was official, and which in the normal course is not said.. Now I would say, since he is saying that he will have a departmental enquiry. .. *(Interruptions)...* please, let me speak—I hope if he can complete the departmemtal inquiry within the course of this session and report the findings, then we should consider it.

SHRI ANANTH KUMAR: Sir, I agree to it...*(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: Now, I have given my ruling.... *(Interruptions)...* Please sit down....*(Interruptions)...*Please sit down. I have given my ruling and no questions on that. ...*(Interruptions)...'So* questions on my ruling.... *(Interruptions)...* No questions on my ruling....*(Interruptions)...*He will report to the House and then we shall see to it.

Now, question No. 383, Shri Dilip Singh Judev.

**मध्य प्रदेश में विमानपत्तनों से राजस्व प्राप्ति**

*383. **श्री दिलीप जूदेव**: क्या नागर निमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकारह तथा भारतीय राष्ट्रीय विमानपत्तनों से कितना राजस्व प्राप्त होता है,

(ख) राज्य से इंडियन एयरलाइंस तथा निजी एयरलाइनों द्वारा प्रति वर्ष कितनी उड़ानें की जा रही हैं और इनमें विमान यात्रियों का औसत प्रतिशत कितना है,

(घ) क्या मध्य प्रदेश विमान सेवाओं के मामले में अन्य राज्यों से अभी भी पिछड़ा हुआ है और यह सर्वाधिक उपेक्षित राज्य है, और

(घ) क्या वर्ष 1998-99 के दौरान राज्य के विमान पतनों को लम्बी दूरी की विमान सेवाओं से जोड़ने का कोई प्रस्ताव है, यदि हां,तो ऐसी सेवाएं कब तक प्रारंभ किये जाने की संभावना है?

**नगर विमानन मंत्री (श्री अनंत कुमार):** (क) से (घ) एक विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

**विवरण**

(क) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरम ने 1997-98 के दौरान मध्य प्रदेश में छः हवाई अड्डों अर्थात, भोपाल, इंदौर जबलपूर, रायपूर, ग्वालियर औऱ खजुराओ से 471.21 लाख रुपए का राजस्व अर्जित किया है।

(ख) इंडियन एयरलाइन्स और नीजी एयरलाइनों ने वर्ष 1997-98 के दौरान मध्य प्रदेश में विभित्र हवाई अड्डों से 6564 उड़ाने प्रचलित की। 1994-97 को अवधि के दौरान प्रति वर्ष औसत यात्री संख्या 2,12,530 थी।

(ग) जी, नहीं। मध्य प्रदेश में पांच हवाई अड्डों अर्थात् भोपाल, ग्वालियर, इन्दोर, रायपूर और खजुराओ के लिए नियमित अनुसचित उड़ानें प्रचलित की जाती है।

(घ) जी, नहीं, तथापि, मध्य प्रदेश में अवस्तित स्थानों से यात्रा करने वाले यात्री हैदराबाद, चेन्नई, तिरुवनन्तपुरम, बंगलौर, अहमदाबाद और कलकता के लिए मुम्बई/दिल्ली से विमानन सेवा का लाभ उठा सकते हैं। एयरलाइनें मार्ग आवंदन मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुपालन के अध्यथौन, यातायात मांग तथआ वाणिज्यिक ठयवहार्यता पर निर्भर करते हुए विशिष्ट स्थानों के लिए विमान सेवाएं मुहैया करने के लिए स्वतंत्र है।

**श्री दिलीप सिंह जुदेव**: सभापति जी, मैं आप के माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि जयकि इंडियन एयरलाइंस को मध्य प्रदेश में अच्छी आय मिलती है और यात्रियों की संख्या में भी निरंतर वृद्धि होती जा रही है। इस के बावजूद भी मध्य प्रदेश के पुर्वी इलाके, छत्तीशगढ़ के इलाके में लोग वायु सेवा से वंचित क्यों है? अभी हाल तक बिलासपूर के लिए वायुतूत की सेवाएं उपलब्ध थी, लेकिन वे बंद कर दी गई है। रायपूर का सिर्फ दिल्ली तक ही मिलान है। इसलिए मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि रायपूर और बिलासपूर को हावायी सेवाओं से जोड़ने के लिए आप की कोई योजना है या नहीं?

SHRI ANANTH KUMAR: Sir, it is basically left to the commercial decision making of the airline. But, we will examine this matter and consider the suggestions of the hon. Member.

**श्री दिलीप सिहं जुदेव**: मेरा दुसरा प्रश्न यह है कि मध्य प्रदेश में एक भी एअरपोर्ट को इंटरनेशनल एअरपोर्ट का दर्जा प्राप्त नहीं है। भोपाल ककको इंटरनेशनल एअरपोर्ट का दर्जा दिलाने के लिए सरकार क्या प्रयास कर रही है?

SHRI ANANTH KUMAR: Sir, there are nine airports in Madhya Pradesh. Out of these, five are functional, and at five airports we are taking up developmental activities at a cost of Rs. 60 crores in this year. But, regarding the sanction of an international airport at Bhopal, as of today we are taking up five airports which are eminently qualifield to become international airports, and these five airports are Bangalore, Hyderabad, Amritsar, Ahemdabad and Guwahati.

**श्रीमती वीणा वर्मा**: सर, मध्य प्रदेश के लिए जो एअरलाइंस चल रही है, उन के विषय में मंत्री जी ने बताया कि 7 चल रही है, लेकिन मेरी जानकारी के अनुसार अभी कुछ दिन पहले खजुराओ के लिए दो फलाइट्स ली गई है, जबलपूर की फलाइट बंद हो गई है और बिलासपूर के लिए जो फलाइट पहले चलती थी, वह भी बंद है। मान्यवर, 1992 में एक यह निर्णय किया गया था कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कुछ फलाइट्स और बढ़ी जाएंगी और इन को नियमित किया जाएगा। मैं माननीय मंत्री जा से जानना चाहूंगी कि क्या ऐसा कोई प्रस्ताव विचारधीन है? इस के अतिरिक्त 1992 में आई.सी. चलती थी जोकि मुंबई, अहमदाबाद इंदौर,भोपाल और कलकता जाती थी. मान्यवर, इस तरह की फलाइट् जो कि कई स्टेट्स को जोड़ते हुए दिल्ली में कलकता, दिल्ली से इंदौर, भोपास होती हुई साउथ की तरफ, मुंबई की तरफ या कलता की तरफ जाती थी. लेकिन अब इस तरह का कोई लिंक नहीं रहा गया है। मंत्री जा अगर पर्यटन को बढ़ावा दा है तो मध्य प्रदेश को कुछ औऱ फल्इस्ट से जोड़ना होगा। जबलपूर फलाइट् जो बंद हो चुकी है, वहां फ्लाइट लगनी होगी। अब जबलपूर में तो हाईकोर्ट भी है। बिलासपूर की फलाइट बंद हो चुकी है जब्कि छत्तीसगढ़ राज्य की घोषण जल्द ही सरकार करने वाली है। पर्यटन के हिसाब से सांची वर्ल्ड का हिस्टॉरिकल प्लेस है, उस को जोड़ने के लिए कोई फलाइट नहीं है। अगर रायपूर से किसी को साउछ जाना है, जो उसे पहले रायपूर में दिल्ली आना पड़ेगा या रायपूर से मुंबई जाना पड़ेगा। यहां से कलकता पास है, लेकिन वह फलाइट से सीधे कनेक्टेड नहीं है। उसी तरह साउथ के लिए कोई फलाइट कनेक्तन नहीं है। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि मध्य प्रदेश में बहुत सारे एअरपोर्टस हैं जोकि आपस में कनेक्टेड नहीं है और चालू नहीं है। और बहुत सी जैसे कि वायुदुव, पवनहंस की फलाइट्स बंद पड़ी है। उस के लिए छोटे इंटरस्टेट एअरक्राफट्स चलाने की सरकार की

कोई योजना है या नहीं? फिर डाउन साउथ से जोड़ने के लिए वहां कोई फलाइट्स से रहे या नहीं औ जो फलाइट्स बंद हो चुकी है जोकि मेन-मेट्रो सिटीज से चलती थी न को फिर से चलाने की आप की कौन-कौन सी योजना है? साथ ही अभी रायपूर एअरपोर्ट और भोपाल एअरपोर्ट का विस्तार किया गया है तो क्या उन को आप कुछ अतिरिक्त फ्लाइट्स देने जा रहे हैं?

SHRI ANANTH KUMAR: Mr. Chairman, Sir, I appreciate the love of the hon. Members towards the south and many historic places of importance, especially, Bilaspur, Raipur and Sanchi. As of today, the cities of Gwalior, Bhopal, Indore, Raipur and Khajuraho are linked either with Delhi or with Mumbai.

For sub-regional routes, we require 50-seaters. We are going to give a 'yes' not to acquiring nearly twenty 50-sea.ters very shortly. When those are in, then we can go in for many more connections.

SHRI O. RAJAGOPAL: Mr.Chairman, Sir, Raipur Airport is one of the most congested, most inconvenient airport that I have seen in the country. A new airport building has been built; I have seen that. But, it has not been commissioned. Considering all these factors, I would like to know from the hon. Minister as to when the Government proposes to inaugurate the new airport building in Raipur.

SHRI ANANTH KUMAR: Raipur new terminal facility and upgradation work is on the verge of completion and very soon we will be commissioning that.

**श्री गया सिंह**: सभापति महोदय, मेरा सवाल तो वीणा वर्मा जी ने कर दिया है। मैं सिर्फ एक सप्लीमेंटरी करना चाहता हूं। महोदय, मध्य प्रदेश एक बड़ा स्टेट है और अभी सतना से इधर और बिलासपूर व छत्तीसगढ़ की बात की गयी।

कोई भी ट्रेन, भोपाल तक तो ठीक है, लेकिन बड़े बड़े नगरों से, बड़ी बड़ी सिटीज से डायरेक्ट ऐसी कोई ट्रेन नहीं है, जो वहां जल्दी आ सकती हो औऱ इसलिए वहां इंडस्ट्रीज लगाने के लिए प्रोब्लम आ रही है। ...(**व्यवधान**)... जी, मैं ट्रेन की बात कर रहा हुं।

प्लेन की बात पर तो उसके बाद आऊंगा। जब वहां ट्रेन की ही सुविधा नहीं है, प्लेन की सुविधा बाद की बात है। यह सही है, प्लेन की सुविधा भी नहीं है। ऐसी स्थिति में मध्यप्रदेश के लिए , जहां सताधारी आप सरकरा बनाने की योजना बना रहे हो, अगर मध्य प्रदेश में सुविधा का नहीं करोगे तो नवंबर में फिर कैसे वहां जाओगे? इसलिए मैं आपसे कहना चाहता हूं कि कुछ करिए।

SHRI ANANTH KUMAR: Sir, the development of both airports and aviation in respect of Madhya Pradesh would be given due priority.

SHRI J. CHITHARANJAN: I would like to know from the hon. Minister whether he would think of starting a direct flight connecting Bhopal, Hyderabad and Chennai; either an extended flight or a direct flight.

SHRI ANANTH KUMAR: Sir, such decisions are made on the basis of commercial viability. But we will examine this proposal.

**श्री अनन्तराय देवशंकर दवे**: सभापति जी, सारे देश में जो छोटे एअरपोर्ट हैं, वहां से एअरपोर्ट एथोरिटी पर पैंसेंजर 125/ रुपया लेती है और यह जो कमाई इंडियन एअरलाइंस को होती है, उससे खर्चा सब बड़े बड़े एअरपोर्ट पर होता है। मैं मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि जहां पर छोटे छोटे एअरपोर्ट हैं और यह एअरपोर्ट

तो क्या उस रकम में से मंत्री महोदय छोटे छोटे एअरपोर्ट पर भी कुछ सुविधा प्रदान करेंगे? या ऐसी कोई उनके पास योजना है? क्योंकि आज दिन तक छोटे एअरपोर्ट पर कोई सुविधा है नही।

SHRI ANANTH KUMAR: Mr. Chairman, Sir, I appreciate the concern of the hon. Member in regard to the upgradation of smaller airports. This is the agenda we are pursuing. Out of 120 odd airports in the country, only 55 are functional. The others are quasi-functional because of upgradation. We are taking up the matter very, very seriously.

Mr. Chairman; Miss Frida Topno. Is it regarding Madhya Pradesh?

**कुमारी फिड्रा टोपनों**: सर उड़ीसा का सेम क्वैश्न नंबर 397 पर है, जो इंटरनेशनल एअरपोर्ट के बारे में है।

MR. CHAIRMAN: We could have done it. But this question is specifically relating to Madhya Pradesh.

**कुमारी फ्रिडा टोपनो**: सर, सेम कैशन है। इसलिए मैं पुछना चाहती थी।

MR. CHAIRMAN: No. Shri Govindram Miri.

**श्री गोविन्दराम मिरी**: सभापति महोदय, मंत्री महोदय,ने अपने जवाब में बताया कि मध्य प्रदेश के 6 हवाई अड्डे हैं, जो फंक्शन में है और उनसे 471.21 लाख रुपया उन्होंने वर्ष 1997-98 में बसुला । मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि किन-किन हवाई अड्डों से कितना कितना रुपया इन्होंने अर्जित किया? इसमें रायपूर का क्या प्रतिशत है ? क्या निक्ट भविष्य में रायपूर में एअरपोर्ट का आप विस्तार करेंगे? साथ ही मैं यह भी जानना चाहूंगा कि कब तक हमारे यहां वह एअर बस चल जाएगी? और, वह जो आय अर्जित हुई है, उसमें निजी और इंडिन एअरलाइन्स का कितना-कितना प्रतिशत है?

SHRI ANANTH KUMAR: Sir, the revenue earned by the Airports authority of India from the operations in Raipur is Rs.47.Sl lakhs. The expenditure is Rs.86.72 lakhs. This is in regard to Raipur.

Regarding operating an Airbus, again, It is a matter of commercial decision which we can examine. *(Interruptions)*

SHRI GOVINDRAM MIRI: I had asked about the runway also. *(Interruptions)* Very small; 625 feet only.

SHRI ANANTH KUMAR: We will examine that matter also.

SHRI GOVINDRAM MIRI: Thank you.

MR. CHAIRMAN: question No. 384. Shri Poulose.

SHRI CO. POULOSE: question No. 384.

MR. CHAIRMAN: question Hour is over.

## WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

### Proposal to split AAI into small companies

*384. SHRI CO. POULOSE:
SHRI JIBON ROY:

Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government are considering a proposal to split Airport Authority of India into several smaller companies;

(b) if so, the details of the proposal; and

(c) the justification for examination of the proposal and the progress made in the matter?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI ANANTH KUMAR): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise.

### Hardships Faced by Private Telecom Operators

*385. SHRI YADIAPATI VENKAT RAO: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) the hardships faced by the Private Telecom Operators;

(b) whether the Telecom Commission propose to make radical changes in the wake of increased private participation in the core sectors; and

(c) if so, the details of the proposed changes?

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS/(SHRIMATI SUSHMA SWARAJ): (a) some constraints have been experienced by the private telecom operators in implementing their network roll out plans, both in physical & financial terms.